आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, जयपुर

ज्योति मित्र के कर्तव्य

नेत्रदान का संकल्प पत्र भरने के बाद में आश्वस्त हूं कि मेरी मृत्यु के बाद मेरे नेत्रों से दो नेत्रहीनों को ज्योति मिलेगी।

मैं अब ज्योति मित्र हूं और जीवन पर्यन्त नेत्रदान के पुनीत कार्य में सहयोग करूंगा। ज्योति मित्र के निम्नलिखित कर्तव्य हैं जिनकी मैं मन व वचन से पालना करूंगा :–

1. मैं मेरे परिजनों, मित्रों व सहयोगियों को नेत्रदान की उपयोगिता के विषय में बताऊंगा।
2. मेरे पड़ोस परिवार या कार्यस्थल पर किसी की अकाल मृत्यु होने पर उनके परिवार के सदस्यों को नेत्रदान के लाभ बताते हुए उन्हें नेत्रदान करवाने के लिए प्रेरित करूंगा।
3. मुझे दिये गये नेत्रदान कार्ड को मैं सदैव मेरे साथ रखूँगा एवं नेत्रदान करवाने के लिए इच्छुक व्यक्ति को स्थानीय नेत्रदान केन्द्र (आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान) के टेलीफोन/मोबाइल नम्बर तुरन्त उपलब्ध करवा दूंगा।
4. मैं नेत्रदान से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी रखते हुए आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के कार्यकलापों में भाग लूंगा।
5. नेत्रदान को हर परिवार की परम्परा बनाना अंधता मिटाने का सहज तरीका है।